Exchange & Finance Available
Zelo Electric Scooter
Maa Bhagwati Services & Enterprises
B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
Neemuch 9407423966, 8770664866

मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

Periodicity- Weekly

PRGI Reg. No. MPHIN/2023/90883

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

17 दिसम्बर 2025

वर्ष - 03, अंक - 33 - मूल्य 02 रूपए

पृष्ठ - 04

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

Commodity: Gold 99,735 Silver 97,000 Crude Oil 5,963 Natural Gas 302.20 Aluminium 232.30 Copper 827.35

नीमच के तैराकों का अंतरराष्ट्रीय जलवा, वर्ल्ड चैंपियनशिप में रचा नया इतिहास

नीमच । इंटरनेशनल मॉडर्न पेंटाथलॉन यूनियन (UIPM) द्वारा आयोजित बिथ्लो (BIATHLE) और ट्राइथ्लो (TRIATHLE) विश्व चैंपियनशिप दक्षिण अफ्रीका के मॉसेल बे (MOSSEL BAY) में 8 दिसंबर से 12 दिसंबर 2025 तक आयोजित की गई, जिसमें नीमच के तैराकों ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर ऐतिहासिक प्रदर्शन कर नया कीर्तिमान रच दिया। 29 देशों के खिलाड़ियों की सहभागिता वाली इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश के नीमच जिले के उभरते तैराकों ने विभिन्न आयु वर्गों में पदक जीतकर न केवल भारत बल्कि पूरे देश का गौरव बढ़ाया और वैश्विक खेल मानचित्र पर नीमच की सशक्त पहचान स्थापित की।

प्रतियोगिता में सिद्धांत गोपाल सिंह जादौन और आयुष सुनील शर्मा ने दमदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किए, जिससे अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की सशक्त मौजूदगी दर्ज हुई। वहीं स्तुति डॉ. मनीष चमड़िया और अस्मि मयंक कटारिया ने कड़े और रोमांचक मुकाबलों में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर जिले का मान बढ़ाया। इसके अतिरिक्त आरव वीरेंद्र शर्मा, पृथ्वीराज गजेंद्र हारोड़, जिनिशा सुनील आंजना और आरव नीलेश बाफना ने भी सराहनीय खेल का प्रदर्शन करते हुए भारतीय टीम की मजबूती में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इसी क्रम में नीमच की होनहार तैराक कनक श्री तेजप्रकाश धारवाल ने जापान में आयोजित एशियन चैंपियनशिप के लिए हुई चयन प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। उनका यह चयन नीमच के खेल इतिहास में एक और स्वर्णिम अध्याय के रूप में देखा जा रहा है। बायथ्लो और ट्रीथ्लो जैसे अत्यंत कठिन और उच्च स्तरीय खेलों में नीमच के तैराकों की यह सफलता उनकी निरंतर मेहनत, अनुशासन और मजबूत प्रशिक्षण व्यवस्था का प्रमाण है। यह उपलब्धि न केवल जिले बल्कि पूरे मध्यप्रदेश के लिए गौरव की बात है और देशभर के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनकर उभरी है।

गौरतलब है कि अत्याधुनिक स्विमिंग सुविधाओं, अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण संसाधनों और निरंतर सहयोग के अभाव के बावजूद इन खिलाड़ियों ने अपने जज़्बे, अनुशासन और अथक मेहनत के बल पर यह उपलब्धि हासिल की। यह सफलता न केवल खिलाड़ियों की व्यक्तिगत मेहनत का परिणाम है, बल्कि यह बताती है कि प्रतिभा संसाधनों की मोहताज नहीं होती। टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व करते हुए नीमच के खिलाड़ियों ने वर्ल्ड चैंपियनशिप में पदक जीतकर अंतरराष्ट्रीय खेल मानचित्र पर जिले को एक नई और सशक्त पहचान दिलाई है।

बाइक की टक्कर से बुजुर्ग की मौत

नीमच । जिले के जावद थाना क्षेत्रमें सोमवार शाम एक सड़क हादसे में 65 वर्षीय बुजुर्ग भेरूलाल पिता दयाराम की मौत हो गई। सुवाखेड़ा गांव में भेरूलाल को एक तेज रफ्तार बाइक ने टक्कर मार दी थी। गंभीर रूप से घायल भेरूलाल ने उदयपुर ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। वहीं घटना को अंजाम देने के बाद बाइक सवार मौके से फरार हो गया। यह घटना सोमवार शाम करीब 7 बजे हुई। सुवाखेड़ा निवासी भेरूलाल अपने घर से पैदल खेत की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार बाइक सवार ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि भेरूलाल मौके पर ही गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद परिजन तुरंत भेरूलाल को जावद के एक निजी अस्पताल ले गए। उनकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें उदयपुर रेफर कर दिया। हालांकि, उदयपुर ले जाते समय रास्ते में ही भेरूलाल ने दम तोड़ दिया।

महज 45 वर्ष की आयु के नितिन नबीन को कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बना कर भाजपा ने फिर सबको चौंकाया

''मालवा फर्स्ट''
ऐश्वर्य शर्मा (पवन)

महज 45 वर्ष की उम्र में सौंप दी भाजपा जैसी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी की कमान... यह समाचार सुनकर सबको फिर एक बार सबको हैरत में डाला है... भारतीय जनता पार्टी एक ऐसी ही पार्टी है जहां कार्यकर्ताओं की हर एक्टिविटी पर संगठन की पैनी नजर रहती है। जो भी संगठन के प्रति समर्पित होकर निस्वार्थ भाव से काम करता है... उनके समर्पण को निश्चित ही ऐसा ही पुरस्कार मिलता है। 5 बार के विधायक और वर्तमान में बिहार के मंत्री नितिन नबीन के पास कम उम्र में संगठन की अच्छी समझ रखते है। युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष और युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री रह चुके नितिन नबीन को आज पार्टी की तरफ से कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर मनोनीत होने पर शायद उन्हें भी यह घोषणा होने तक पता नही होगा कि उन्हें इतनी बड़ी पार्टी की कमान सौंपी जा सकती है। भाजपा के ऐसे फैसले सबको चोंका देता है। एक सामान्य से कार्यकर्ताओं को अपनी मेहनत और लगन का उचित समय पर प्रतिफल ऐसे ही मिलता है। ऐसे ही निर्णय कार्यकर्ताओं के हौंसले बढ़ाता है। ऐसे ही निर्णय विजय दिलाता है। ऐसे ही निर्णयों से पूरे विश्व मे एक छाप छोड़ी जाती है। यही तो भाजपा संगठन है... ऐसे ही काम करता है...।

वर्तमान समय में वैश्विक मान्यता केवल सत्य से नहीं, शक्ति से होती है निर्धारित- भागवत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भगवत ने शनिवार को हदू समाज से स्वामी विवेकानंद के उस संदेश से प्रेरणा लेने का आग्रह किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रत्येक राष्ट्र का एक मिशन होता है, जिसे पूरा करना होता है और एक नियति होती है जिसे प्राप्त करना होता है। अंडमान और निकोबार में विराट हिंदू सम्मेलन समिति द्वारा आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में वैश्विक मान्यता केवल सत्य से नहीं, बल्कि शक्ति से निर्धारित होती है। विश्व सत्य को नहीं, शक्ति को देखता है। जिसके पास शक्ति है, उसे मानता है।

एक मजबूत समाज के निर्माण और राष्ट्रीय लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए एकता आवश्यक है।कहा कि यदि हिंदू जागृत होंगे तो विश्व जागृत होगा। विश्व को विश्वास है कि भारत ही मार्ग दिखाएगा। समस्याओं पर समय बर्बाद करने के स्थान पर हमें समाधान खोजना चाहिए। किसी भी कार्य को पूरा करने के लिए शक्ति की आवश्यकता होती है। शक्ति केवल एकता से ही आती है। भागवत ने कहा कि टकराव हमेशा समाधान नहीं होता। अर्जुन और सत्यकी ने राक्षस से लड़ने की कोशिश की, लेकिन हर वार के साथ वह और बड़ा होता गया। कृष्ण ने हस्तक्षेप किया। टकराव से बचते हुए सूझबूझ से बिना लड़ाई के ही उसे वश में कर लिया। इससे यह सीख मिलती है कि हर समस्या के लिए बल प्रयोग की आवश्यकता नहीं होती। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि एक मजबूत और स्वस्थ समाज के निर्माण के प्रयास घर से ही शुरू होने चाहिए। अपने मोहल्ले में दोस्त बनाएं, परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताएं। विशेष अवसरों पर पारंपरिक पोशाक पहनने और परिवार के साथ मिलकर भोजन करने पर गर्व करें। अपनी संस्कृति से प्रेम करना महत्वपूर्ण है। भागवत ने कहा कि यह तय करने का समय है कि हम अपने घरों में स्वामी विवेकानंद की तस्वीर रखना चाहते हैं या माइकल जैक्सन की। देशभक्ति एक नागरिक कर्तव्य है।

अनुशासन के लिए जाने जाने वाली भाजपा में अब दिखने लगी अनुशासन की कमी

''मालवा फर्स्ट''
ऐश्वर्य शर्मा (पवन)

नीमच । अपने अनुशासन के लिए विश्व भर में जाने जानी वाली भारतीय जनता पार्टी का इन दिनों नीमच में दूसरे राजनीतिक दल चटकारे लगा रहे है। नगर पालिका परिषद नीमच भाजपा के कब्जे की है। अध्यक्ष सहित पूर्ण बहुमत की परिषद है। यहां तक कि भाजपा जिलाध्यक्ष भी इसमें सभापति है। बावजूद इसके कुछ दिनों से कुछ सभापति खुलकर अपने ही पार्टी के कब्जे वाली परिषद के खिलाफ मुखर हो रहे है जो पार्टी आलाकमान के लिए एक गंभीर विषय है।

अपने अनुशासन के लिए प्रख्यात भाजपा में ऐसा अमूमन कम ही देखने को मिलता है, यदि कोई चीज गलत है तो पार्टी का एक प्रोटोकॉल होता है, अपनी नाराजगी रखने का एक सही और उचित प्लेटफॉर्म होता है। अपनी बात संगठन को रखी जाती है, नीमच नगरपालिका लेवल की बात करें तो यहां दो-दो वरिष्ठ भाजपा नेताओं को प्रभारी बनाया हुआ है, दोनों का काम है पार्टी के पार्षदों और अध्यक्ष में समन्वय बनाकर शहर हित में जो अच्छा से अच्छा हो सके उन सब विषयों को ध्यान में रखकर नगर पालिका परिषद के सारे एजेंडे और समन्वय की सारी दिक्कतों को दूर करें। दोनों प्रभारी अनुभवी है, पारखी है, नगरपालिका में भी रहे है। उनके होते हुए भी अखबारों में नगरपालिका की हर किसी विषय पर धज्जियां उड़ाई जा रही है, अनुशासन को ताक में रखकर कुछ भाजपा पार्षद और सभापति खुलकर अपने अपने बयान सार्वजनिक तौर पर दे रहे है।

अब ऐसे में जहां विपक्ष तो मजे ले ही रहा है वहीं भाजपा का आम मतदाता भी अपने आप को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। शहर हित में होने वाली पीआईसी की बैठकों में जिस तरह से सभापति दूरी बना रहे है उससे नुकसान तो शहर का हो रहा है, फिर भाजपा को पंच से लेकर प्रधान तक बैठाने का आम जनता को स्थानीय स्तर पर क्या फायदा!

क्या जिलाध्यक्ष और नगरपालिका नीमच के दोनों प्रभारियों को इस गंभीर विषय पर सूध नही लेनी चाहिए। क्या विपक्ष को ऐसे ही चटकारे लेने का अवसर देना चाहिए? प्रभारियों एवं जिलाध्यक्ष को जल्द ही इस पर नकेल नही कसनी चाहिए? जिससे पीआईसी बैठकों के माध्यम से शहर विकास किया जाए!

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान की गृह मंत्रालय ने बढ़ाई सुरक्षा

ISI के रडार पर 'शिवराज सिंह चौहान ! गृह मंत्रालय ने दिया इनपुट

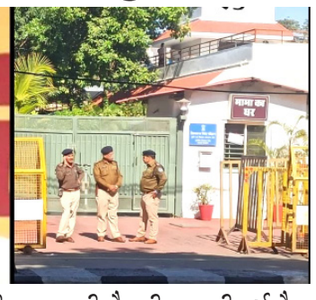

भोपाल/नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि मंत्री और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक कड़ा कर दिया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय को मिली ताजा खुफिया जानकारी के बाद उनकी सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए यह निर्णय लिया गया है। सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी (ISI) और कुछ राष्ट्रविरोधी तत्व शिवराज सिंह चौहान के बारे में जानकारी जुटाने का प्रयास कर रहे थे, जिसके चलते सुरक्षा एजेंसियों के कान खड़े हो गए हैं। शुक्रवार देर रात और शनिवार सुबह से ही भोपाल स्थित उनके निजी आवास (बी-8, 74 बंगले) और दिल्ली स्थित सरकारी आवास के बाहर सुरक्षा बल की तैनाती बढ़ा दी गई है।

पुलिस महानिदेशक को भेजा गया पत्र – मिली जानकारी के अनुसार, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मध्य प्रदेश के पुलिस महानिदेशक और मुख्य सचिव को 'अति-गोपनीय' पत्र भेजा है। इसमें स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि केंद्रीय मंत्री की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की चूक न हो। सूचना मिलने के तुरंत बाद भोपाल में उनके आवास के दोनों ओर की सड़कों पर नाकाबंदी सख्त कर दी गई है और आने-जाने वाले हर वाहन की सघन जांच शुरू हो गई है।

क्यों बढ़ाई गई शिवराज की सिक्योरिटी – शिवराज सिंह चौहान की सुरक्षा बढ़ाने की जानकारी सुरक्षा की दृष्टि से गृह मंत्रालय ने सार्वजनिक नहीं की है। साथ ही जो पत्र डीजीपी कैलाश मकवाना को भेजा गया है। उसे भी सार्वजनिक नहीं किया गया है।

संबल योजना: श्रमिक परिवारों के लिए सुरक्षा कवच, आत्मनिर्भरता की मजबूत नींव

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने सिंगल क्लिक के माध्यम से 160 करोड़ की राशि पहुंचाई हितग्राहियों के खाते में

नीमच। भारत जैसे विशाल देश में श्रमिक वर्ग अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों के जीवन में आर्थिक असुरक्षा, आकस्मिक दुर्घटनाएं और सामाजिक संरक्षण की कमी लंबे समय से एक बड़ी चुनौती रही है। इन्हीं चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए मध्यप्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना को एक सशक्त सामाजिक सुरक्षा मॉडल के रूप में विकसित किया है, जो आज राष्ट्रीय स्तर पर उदाहरण बन रही है।

16 दिसंबर 2025 को नीमच जिले में इसका प्रभावी स्वरूप देखने को मिला, जब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रदेश के 7,227 श्रमिक परिवारों को 160 करोड़ रुपये की सहायता राशि अंतरित की। इसमें नीमच जिले के 84 श्रमिक परिवारों को 1 करोड़ 74 लाख रुपये की राशि सीधे उनके खातों में प्रदान की गई। यह राशि किसी अनुदान से अधिक, सम्मान और सुरक्षा का प्रतीक है।

संबल योजना का मुख्य उद्देश्य असंगठित श्रमिकों को जीवन की अनिश्चितताओं से सुरक्षा प्रदान करना है। दुर्घटना या प्राकृतिक मृत्यु पर आर्थिक सहायता, स्थायी दिव्यांगता पर सहयोग, महिलाओं के लिए प्रसूति सहायता और अंतिम संस्कार के लिए राशि—ये सभी प्रावधान श्रमिक परिवारों को कठिन समय में संबल देते हैं।

नीमच के एनआईसी कक्ष में हुए कार्यक्रम का सीधा प्रसारण यह दर्शाता है कि सरकार पारदर्शिता और तकनीक के माध्यम से योजनाओं का लाभ सीधे हितग्राहियों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। श्रम विभाग के अधिकारियों और श्रमिक परिवारों की उपस्थिति ने इस योजना की जमीनी सच्चाई को सामने रखा।

इनका कहना...

नीमच जिले के गांव लासुर के संबल योजना के हितग्राही नंदलाल राठौर ने बताया कि मेरे पिताजी अमृतलाल राठौर की मृत्यु 21.06.2024 को हुई थी। उनकी संबल की राशि जो 2 लाख रुपए है जो आज मुख्यमंत्री जी के द्वारा सिंगल क्लिक के माध्यम से आज खाते में अंतरित की जा रही है। इसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री जी और प्रधानमंत्री जी का धन्यवाद करता हूँ।

नीमच सिटी के रहने वाले हितग्राही तरुण अहिरवार ने बताया कि मेरे पिताजी मजदूरी करते थे और उनका देहांत सड़क दुर्घटना में हो गया था। जिसको लगभग 1 वर्ष पूर्ण हो चुका है। जिनको संबल योजना के तहत 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि आज प्रदान की जा रही है। जो मुख्यमंत्री जी के माध्यम से खाते में ऑनलाइन ट्रांसफर की जाएगी। मैं मुख्यमंत्री जी और प्रधानमंत्री जी का बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं जिनकी वजह से चार लाख रुपए की राशि प्रदान की जा रही है जिससे मेरे परिवार की आर्थिक सहायता हो पाएगी।

नीमच जिला श्रम निरीक्षक सज्जन सिंह चौहान ने बताया कि आज मनी मुख्यमंत्री जी के द्वारा सिंगल क्लिक के माध्यम से हित लाभ वितरण किया गया है जिसमें 84 परिवारों को एक करोड़ 74 लाख रुपए वितरित किये गए है। यह योजना सभी गरीब वर्ग के जो श्रमिक है उनके लिए कार्य करती है। इसमें जितने भी असंगठित क्षेत्र में कार्य करते हैं उन श्रमिकों के लिए यह योजना है। इसमें सामान्य मृत्यु पर 2 लाख रुपए और दुर्घटना से मृत्यु में चार लाख रुपए और अपंगता पर 2 लाख का प्रावधान है।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 8770664886

डिजिटल अरेस्ट ठगी से लाखों परिवारों के जीवन में अंधकार

मनोज कुमार अग्रवाल

आपको बता दें कि पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट पर गंभीर चिंता जताते हुए सीबीआई को निर्देश दिए हैं कि वह अन्य साइबर अपराधों की जांच बाद में करें, डिजिटल अरेस्ट की जांच को अपनी प्राथमिकता बनाए। कोर्ट ने केंद्रीय बैंक से पूछा है कि क्या एआई की मदद से साइबर ठगों के खाते फ्रीज हो सकते हैं? कोर्ट ने सीबीआई से कहा है कि यदि किसी गंभीर डिजिटल अपराध का दायरा भारत से बाहर को सीमा में हो तो वह इंटरपोल की मदद ले सकती है।

लाखों लोगों व परिवारों के जीवन भर की कमाई को डिजिटल अरेस्ट के जरिए लूट कर उनके जीवन में अंधेरा कर दिया गया। यह कैसी विडंबना है कि जब तक देश में कथित डिजिटल अरेस्ट के नाम पर अनुमानित तीन हजार करोड़ रुपये से अधिक ठगी की जा चुकी है, कई लोग अपनी जान गवां चुके हैं, की साल से यह सिलसिला जारी है तब सरकार और जिम्मेदार सिस्टम की नींद खुली है और अपराधियों पर शिकंजा कसने की बड़ी मुहिम शुरू हो पा रही है। वह भी सरकार के बजाय शीर्ष अदालत की पहल पर।

इन दिनों देश में डिजिटल अरेस्ट के कई मामले लगातार सामने आ रहे हैं. सरकार के तमाम प्रयास के बावजूद डिजिटल अरेस्ट के कारण बुजुर्गों बड़ी संख्या में ठगी का शिकार हो रहे हैं. सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को डिजिटल अरेस्ट मामलों पर सुनवाई करते हुए सख्त रुख दिखाते हुए कहा कि इस मामले में अदालत जरूरी निर्देश जारी करेगी. न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायाधीश जयमाला बागची की पीठ ने सुनवाई करते हुए कहा कि हर हैरानी की बात है कि देश में पीड़ितों से लगभग 3000 करोड़ रुपये डिजिटल अरेस्ट के नाम पर ठगे जा चुके हैं. यह सब हमारे देश में ही हो रहा है. अगर हम इस मामले में ठोस और सख्त आदेश नहीं देंगे तो समस्या और गंभीर हो जाएगी.

आपको बता दें कि पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट पर गंभीर चिंता जताते हुए सीबीआई को निर्देश दिए हैं कि वह अन्य साइबर अपराधों की जांच बाद में करें, डिजिटल अरेस्ट की जांच को अपनी प्राथमिकता बनाए। कोर्ट ने केंद्रीय बैंक से पूछा है कि क्या एआई की मदद से साइबर ठगों के खाते फ्रीज हो सकते हैं? कोर्ट ने सीबीआई से कहा है कि यदि किसी गंभीर डिजिटल अपराध का दायरा भारत से बाहर को सीमा में हो तो वह इंटरपोल की मदद ले सकती है। दुखद है कि साइबर अरेस्ट के मामलों में सबसे अधिक निशाना बुजुर्गों को ही बनाया जाता है, जिन्हें डिजिटल लेन-देन को गंभीर जानकारी नहीं होती। बुजुर्गों को निशाना बनाने का यह प्रतिशत 78 से 82 फीसदी बताया जाता है। कई जगह यह प्रतिशत 99 फीसदी तक है। वहीं जनवरी से अप्रैल 2024 में साइबर धोखाधड़ी और डिजिटल अरेस्ट के 46 फीसदी मामलों के तार म्यांमार, कंबोडिया और लाओस जैसे दक्षिण पूर्व एशिया के देशों से जुड़े रहे हैं। निस्संदेह, हाल के वर्षों में डिजिटल गिरफ्तारी साइबर अपराध के सबसे कुटिल रूप में बनकर उभरी है। यह अपराध न केवल देश की वित्तीय सुरक्षा और स्थिरता के लिये, बल्कि कानून प्रवर्तन तंत्र में जनता के विश्वास के लिये भी बड़ा खतरा है। ऐसे में कहा जा सकता है कि इन घोटालों की देशव्यापी जांच सीबीआई को सौंपने का सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय समय के अनुरूप सार्थक हस्तक्षेप है। इसी क्रम में कोर्ट ने सभी राज्यों को निर्देश दिया है कि वे अपने अधिकार क्षेत्र में अपराधों की जांच के लिये सीबीआई को सहमति दें। दरअसल, न्यायालय ने इस हकीकत को

स्वीकार किया है कि साइबर अपराधी राज्यों की सीमाओं का लाभ उठाते हैं। वहीं दूसरी ओर टुकड़ों-टुकड़ों में जांच सीमा पार के साइबर अपराधियों के नेटवर्क को बढ़ावा देती है दरअसल, साइबर अपराधी डिजिटल अरेस्ट के जरिये भोले-भाले लोगों व बुजुर्गों को निशाना बनाते हैं। वे कानून प्रवर्तन अधिकारी पुलिस और जज बनकर मोटी रकम देने के लिये उन्हें ब्लेकमेल और आतंकित करते हैं।हालांकि अदालत ने कहा कि इस मामले से निपटने के लिए कठोर कदम उठाना जरूरी हो गया है. सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार का पक्ष रखते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि गृह मंत्रालय ने एक अलग यूनिट की स्थापना की है और इस मामले से निपटने के लिए विभिन्न विभागों के साथ समन्वय बनाया जा रहा है. साथ ही डिजिटल अरेस्ट से निपटने के लिए कई अन्य कदम उठाए गए हैं. डिजिटल अरेस्ट को लेकर हुई सुनवाई को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय और सीबीआई ने सीलबंद लिफाफे में सुप्रीम कोर्ट में रिपोर्ट सौंपी. केंद्र सरकार की ओर से पेश दलील के सुनने के बाद अदालत ने कहा कि मामला काफी गंभीर है और इस मामले में अदालत उचित आदेश पारित करेगी. मामले की अगली सुनवाई 10 नवंबर को होगी. गौरतलब है कि एक वरिष्ठ नागरिक दंपति ने पिछले महीने सुप्रीम कोर्ट के पत्र लिखकर बताया था कि 1 से 16 सितंबर के बीच उनसे 1.5 करोड़ रुपए की ठगी सीबीआई, इंटेलिजेंस ब्यूरो तो कभी न्यायपालिका के अधिकारी बनकर की गयी. धोखेबाजों ने फोन और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संपर्क किया और गिरफ्तारी का डर दिखाकर पैसे वसूलने का काम किया. इतना ही नहीं उन लोगों ने सुप्रीम कोर्ट के फर्जी आदेश दिखाए. मामला सामने आने के बाद अंबाला में दो एफआईआर दर्ज की गयी. जांच में पाया गया कि वरिष्ठ नागरिकों को ठगी का शिकार बनाने के लिए संगठित गिरोह काम कर रहा है. अदालत ने 17 अक्टूबर को इस मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए मामले की सुनवाई शुरू की और केंद्र सरकार और सीबीआई से जवाब देने को कहा. अदालत ने इस मामले में अटार्नी जनरल से भी सुझाव लेने का आदेश दिया.

उल्लेखनीय है कि हरियाणा के एक बुजुर्ग दंपति से एक करोड़ रुपये कीठगी के बाद अदालत ने इस व्यापक समस्या का स्वतः संज्ञान लिया। उन्हें धमकाने के लिये सुप्रीम कोर्ट के फर्जी आदेशों का इस्तेमाल किया गया। यह बेहद परेशान करने वाली स्थिति है कि साइबर अपराधी सार्वजनिक संस्थाओं के प्रति लोगों के विश्वास को खतरे में डाल रहे हैं।तभी शीर्ष अदालत ने महसूस किया कि अब पानी सिर के ऊपर से गुजरने लगा है, देश की केंद्रीय एजेंसी को इस मामले की तह तक तुरंत पहुंचना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि सीबीआई को डिजिटल अरेस्ट के मामलों में एफआईआर दर्ज करने और धोखाधड़ी से जुड़े बैंक खातों को फ्रीज करने की पूरी छूट दी गई है। साथ ही भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत बैंक अधिकारियों की कथित मिलीभगत की जांच का अधिकार भी दिया गया। इसके अलावा दूरसंचार विभाग को भी सिम कार्ड के दुरुपयोग पर अंकुश लगाने के लिये कहा गया है। निश्चित रूप से कोर्ट की सार्थक पहल के बाद यदि ये सभी उपाय सिरे चढ़ते हैं तो इस गंभीर अपराध के खिलाफ एक राष्ट्रीय प्रतिक्रिया दे पाना संभव होगा। कोर्ट ने विश्वास जताया है कि केंद्रीय एजेंसी बिना किसी भय या पक्षपात के जिम्मेदारी से अपने दायित्वों का निर्वहन करेगी। इसमें राज्य सरकारों की सक्रियता व सजगता भी सीबीआई को अपराध की तह तक पहुंचने में मददगार साबित हो सकती है। यह भी जरूरी है कि एजेंसी की कार्रवाई में लालफीताशाही और राजनीतिक हस्तक्षेप न हो। इसके साथ ही नागरिकों को भी ऐसे अपराधों के प्रति सजग रहना होगा। जागरूकता सतर्कता उन्हें अपराधियों के चंगुल में फंसने से बचा सकती है। ऐसी किसी कॉल के आने पर उन्हें रुककर विचार करना चाहिए और हड़बड़ी में बैंक से जुड़ी कोई जानकारी देने से बचना चाहिए। ठग खुद को केंद्रीय एजेंसियों या पुलिस विभाग का अधिकारी बताकर पीड़ितों को फर्जी आरोपों में फंसाने की धमकी देते थे। इसके बाद डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाकर उनसे बैंक खातों से बड़ी रकम ट्रांसफर कराई जाती थी। साइबर सेल और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में अब तक 35 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। ये आरोपी गुजरात, उत्तर प्रदेश, झारखंड, मध्यप्रदेश, दिल्ली और छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से पकड़े गए हैं। राजनांदगांव की 79 वर्षीय शीला सुवाल को आरोपितों ने सीबीआई अधिकारी और जज बनकर वीडियो कॉल के माध्यम से डराया। मनी लॉन्डिंग केस में फांसाने की धमकी दी। निर्दोष साबित करने रकम जज के खाते में ट्रांसफर करने को कहा। महिला ने उगों के बताए गए विभिन्न खातों में 79,69,047 रुपये ट्रांसफर कर दिए। एक अन्य मामले में ठगों ने फारेक्स व ट्रेडिंग विशेषज्ञ बताकर व्यापारी को फर्जी ऑनलाइन ट्रेडिंग साइट का लिंक भेजा। पहले 15 हजार का छोटा मुनाफा देकर व्यापारी का विश्वास हासिल किया, फिर बड़े मुनाफे का लालच देकर 1,21,53,590 रुपये निवेश के नाम पर जमा कराए। दोनों मामलों में तीन आरापितों को पकड़ा गया है। पुलिस का कहना है कि अधिकांश मामलों में उप विदेशी कॉल सेंटरों की तरह काम करते हुए इंटरनेट कालिंग और फर्जी दस्तावेजों का उपयोग करते थे। अधिकारियों का कहना है कि किसी भी संदिग्ध काल या डिजिटल अरेस्ट जैसी धमकियों पर विश्वास न करें और तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं। सुप्रीम कोर्ट ने सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इंवेस्टिगेशन को देशभर से सामने आए डिजिटल अरेस्ट के मामलों की पैन इंडिया जांच की जिम्मेदारी सौंपी है। सोमवार को सुनवाई के दौरान सीजेआई ने सभी राज्यों को डिजिटल अरेस्ट मामलों की जांच में सीबीआई की मदद करने के भी निर्देश दिए। सीजेआई सूर्यकांत की बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा- डिजिटल अरेस्ट तेजी से बढ़ता साइबर क्राइम है। इसमें ठग खुद को पुलिस, कोर्ट या सरकारी एजेंसी का अधिकारी बताकर वीडियो ऑडियो कॉल के जरिए पीड़ितों, खासकर सीनियर सिटिजन को धमकाते हैं और उनसे पैसे वसूलते हैं। सीजेआई सूर्यकांत की बेंच ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को नोटिस जारी कर पूछा कि साइबर ठगी में उपयोग हो रहे बैंक खातों को तुरंत ट्रैक और फ्रीज करने के लिए एआई और मशीन लर्निंग तकनीक का उपयोग क्यों नहीं किया जा रहा। इससे पहले 3 नवंबर की सुनवाई में एससी ने कहा था कि डिजिटल अरेस्ट मामलों में लगभग 3 का पता चला है।

अभी तक डिजिटल अरेस्ट कर कोई सख्त कार्रवाई नहीं की गई है आज भी लगातार ऐसी घटनाएं सामने आ रहीं हैं जिनमे लोगों को मोबाइल काल पर तरह तरह से धमका कर पैसा ठगी किया जा रहा है लोग जीवन भर की खून पसीने की कमाई चंद मिनटों में गंवा कर सुसाइड करने के लिए विवश हो रहे हैं। सरकार को ऐसे अपरोक्ष हत्यारों ठगों पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संपादकीय

भारत और रूस की दोस्ती असीमित

कुल मिला कर द्विपक्षीय संबंध रूस के पक्ष में बेहद झुका हुआ है। उसका क्या समाधान पुतिन पेश करेंगे? उधर रूस और चीन के हित एक दूसरे के संपूरक बने हुए हैं, जबकि यह पहलू भारत के नजरिए एक समस्या है। नई दिल्ली आने से ठीक पहले व्लादीमीर पुतिन ने भारत- रूस के संबंध के बारे में अपना टेम्पलेट सामने रखा है। उन्होंने संदेश दिया कि वे भारत से वैसी ही 'असीमित दोस्तीइ चाहते हैं, जैसी उन्होंने चीन के स्थापित की है। पुतिन ने कहा- ह्यचीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ हमने आर्थिक मुद्दों पर ठोस वार्ता कायम की है। भारत यात्रा के दौरान हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी इन मुद्दों पर विस्तार से बातचीत करेंगे। इनमें रूसी बाजार में भारतीय उत्पादों का आयात बढ़ाना भी शामिल है।

यही संदेश देने के लिए क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने भारतीय पत्रकारों से ऑनलाइन बातचीत की। उन्होंने कहा- 'हमारा चीन के साथ असीमित सहयोग बना है। भारत के बारे में भी हमारा वही रुख है। रूस वहां तक जाने को राजी है, जहां तक भारत तैयार हो। पेस्कोव ने संकेतों में यह भी कहा कि भारत को रूस से अपने संबंध तय करने में अमेरिकी हस्तक्षेप का ख्याल नहीं करना चाहिए। उन्होंने एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली और सुखोई-57 लड़ाकू विमान भारत को बेचने की पेशकश की। उम्मीद जताई भारत रूस से कच्चा तेल खरीदता रहेगा। मगर भारत में चिंता यह है कि ये रूसी मंशाएं पूरी हुईं, तो उसका खराब असर अमेरिका से रिश्तों पर पड़ेगा। फिर बढ़ते व्यापार घाटे की भारत की अपनी चिंताएं भी हैं।

भारत इस समय रूस को जितना निर्यात करता है, उससे लगभग 17 गुना ज्यादा आयात कर रहा है। इसके अलावा अप्रैल 2000 से सितंबर 2025 तक भारत में प्रत्यक्ष रूसी निवेश महज 1.33 बिलियन डॉलर का हुआ, जबकि रूस में 12.8 बिलियन डॉलर का भारतीय निवेश हुआ है। तो कुल मिला कर द्विपक्षीय संबंध रूस के पक्ष में बेहद झुका हुआ है। उसका क्या समाधान पुतिन पेश करेंगे? दरअसल, रूस और चीन के हित संपूरक बने हुए हैं, जबकि यह पहलू भारत के नजरिए एक समस्या है। इस कारण भारत- चीन विवाद में रूस निष्पक्ष रुख लेने की स्थिति में नहीं रह गया है। ये सारे वो पेच हैं, जिन्हें खोले बिना भारत और रूस की दोस्ती शायद असीमित रूप ना ले पाए।

चिंतन-मनन

सबसे बड़ा दरिद्र

सिंहगढ़ राज्य की सीमा के पास एक गांव सोनपुर में एक महात्मा अपने दो शिष्यों के साथ आ पहुंचे। वहां की शांति और हरियाली देख कुछ दिन वे वहीं ठहर गए। एक दिन महात्मा जी जब भिक्षा मांगने जा रहे थे, सड़क पर एक सिक्का दिखा, जिसे उठाकर उन्होंने झोली में रख लिया। दोनों शिष्य इससे हैरान थे। वे मन में सोच रहे थे कि काश सिक्का उन्हें मिलता, तो वे बाजार से मिठाई ले आते। महात्मा जी भांप गए। बोले-यह साधारण सिक्का नहीं है, मैं इसे किसी सुपात्र को दूंगा। पर कई दिन बीत जाने के बाद भी उन्होंने सिक्का किसी को नहीं दिया। एक दिन महात्मा जी को खबर मिली कि सिंहगढ़ के महाराज अपनी विशाल सेना के साथ उधर से गुजर रहे हैं। महात्मा जी ने शिष्यों से कहा, वत्स! सोनपुर छोड़ने की घड़ी आ गई। शिष्यों के साथ महात्मा जी चल पड़े। तभी राजा की सवारी आ गई। मंत्री ने राजा को बताया कि ये महात्मा जा रहे हैं। बड़े ज्ञानी हैं। राजा ने हाथी से उतर कर महात्मा जी को प्रणाम किया और कहा, कृपया मुझे आशीर्वाद दें। महात्मा जी ने झोले से सिक्का निकाला और राजा की हथेली पर उसे रखते हुए कहा, हे सिंहगढ़ नरेश, तुम्हारा राज्य धन-धान्य से संपन्न है। फिर भी तुम्हारे लालच का अंत नहीं है। तुम और पाने की लालसा में युद्ध करने जा रहे हो। मेरे विचार में तुम सबसे बड़े दरिद्र हो। इसलिए मैंने तुम्हें यह सिक्का दिया है। राजा इस बात का मतलब समझ गए। उन्होंने सेना को वापस चलने आदेश दिया।

सांसद खेल महोत्सव में बच्चे दिखा रहे अपनी खेल प्रतिभा

संसदीय क्षेत्र की विभिन्न विधानसभा में हुआ सांसद खेल महोत्सव का आयोजन

मंदसौर (निप्र)। संसदीय क्षेत्र की विभिन्न विधानसभा में सांसद खेल महोत्सव का आयोजन हुआ।

इस दौरान सांसद सुधीर गुप्ता ने पहुंचकर खिलाडियों का हौसला बढ़ाया। खेल महोत्सव में सभी विद्यार्थी उत्साह के साथ भाग ले रहे है। सोमवार को सांसद खेल महोत्सव का आयोजन क्रमशः सरवानिया महाराज (जावद विधानसभा) रेवलीदूदेवली (नीमच), महागढ़ (मनासा), संजीत (मल्हारगढ़), नाहरगढ़ (सुवासरा) एवं असावती (जावरा) में किया गया। सांसद गुप्ता ने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं में खेल भावना, अनुशासन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देते हैं और खेल भावना, फिटनेस और प्रतिभाओं को निखारने के लिए आयोजित एक बड़ा खेल आयोजन है, जिसमें क्रिकेट, कबड्डी, फुटबॉल, वॉलीबॉल, एथलेटिक्स जैसे आधुनिक और पारंपरिक खेलों को शामिल किया गया है। आयोजन को लेकर खिलाड़ियों में खासा उत्साह देखा गया।

21 वर्ष से फरार हत्या की आरोपी महिला गिरफ्तार

जावद 15 दिसम्बर (निप्र)। नीमच जिले में फरार आरोपियों की धरपकड़ को लेकर पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल के निर्देशों के पालन में जावद पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवल सिंह सिसोदिया एवं एसडीओपी रोहित राठौर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक जितेन्द्र वर्मा के नेतृत्व में चौकी सरवानिया की टीम ने हत्या के एक प्रकरण में 21 वर्षों से फरार चल रही आरोपी महिला को गिरफ्तार किया है।

घटना का संक्षिप्त विवरण - दिनांक 06 मई 2004 को थाना जावद पर हत्या के मामले में अपराध क्रमांक 124/04 अंतर्गत धारा 498-ए, 302, 34 भादंसं के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। उक्त प्रकरण में आरोपी महिला लंबे समय से फरार चल रही थी। आज पुलिस ने 21 वर्षों से फरार आरोपी कमली बाई पति नारायण बंजारा, निवासी बसेड़ी भाटी को चौकी सरवानिया की टीम द्वारा गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की।

सराहनीय भूमिका - इस कार्रवाई में एसडीओपी रोहित राठौर, थाना प्रभारी जितेन्द्र वर्मा (थाना जावद), उप निरीक्षक श्याम कुमावत (चौकी प्रभारी सरवानिया) एवं चौकी सरवानिया की टीम की महत्वपूर्ण और सराहनीय भूमिका रही। पुलिस की इस सफलता से क्षेत्र में कानून व्यवस्था के प्रति आमजन का विश्वास और मजबूत हुआ है ।

गेट बंद कर की नारेबाजी, प्राचार्य को सौंपा ज्ञापन

बीसीए कोर्स बंद, विद्यार्थी परिषद ने किया प्रदर्शन

छात्राओं को निजी संस्थानों में अधिक शुल्क देकर करना पड़ रहा है बीसीए कोर्स

नीमच (निप्र)। सीताराम जाजू कन्या महाविद्यालय में कई वर्षों से संचालित बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए) कोर्स इस वर्ष बंद कर दिया गया है। इस निर्णय से छात्राओं को परेशानी हो रही है, क्योंकि अब उन्हें निजी संस्थानों में अधिक शुल्क देकर यह कोर्स करना पड़ रहा है। सोमवार दोपहर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ताओं ने इसी मुद्दे को लेकर कॉलेज में प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए कॉलेज का मुख्य गेट बंद कर दिया और प्राचार्य प्रतिभा कालानी को ज्ञापन सौंपा। एबीवीपी ने मांग की है कि बीसीए कोर्स को जल्द से जल्द पुनः शुरू किया जाए ताकि छात्राएं बिना बाधा के अपनी पढ़ाई जारी रख सकें।

प्राचार्य का पक्ष - इस मामले पर प्राचार्य प्रतिभा कालानी ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा कोर्स की शुल्क में भारी वृद्धि की गई है, जिसे कॉलेज वहन नहीं कर सकता। उन्होंने स्पष्ट किया कि बीसीए कोर्स अब कॉलेज के लिए लाभदायक नहीं रहा। प्राचार्य के अनुसार, बीसीए में 60 सीटें हैं और प्रत्येक छात्रा से 11,000 रुपए शुल्क लिया जाता है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों से 25 से अधिक छात्राएं प्रवेश नहीं ले रही थीं, जबकि चार शिक्षकों को नियुक्त करना पड़ता था।

कोर्स चलाना हुआ मुश्किल - कोर्स जारी रखने के लिए 10 लाख रुपए की सावधि जमा (एफडी), औद्योगिक प्रशिक्षण परिषद और संबद्धता शुल्क सहित कई अन्य शुल्क बढ़ा दिए गए थे, जिससे छात्राओं की फीस से यह कोर्स चलाना संभव नहीं था। साथ ही, कोर्स का पंजीकरण जनवरी से पहले नहीं हो पाया था।

कोर्स फिर शुरू होने की संभावना - प्राचार्य कालानी ने कहा कि यदि कॉलेज के आय के स्रोतों और जन भागीदारी की राशि में वृद्धि होती है, और प्रवेश लेने वाली छात्राओं की संख्या बढ़ती है, तो प्रशासन बीसीए कोर्स को फिर से शुरू करने पर विचार करेगा।

एबीवीपी ने दी चेतावनी - दूसरी ओर, एबीवीपी के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि बीसीए कोर्स जल्द शुरू नहीं किया गया तो वे आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे।

बिजली विभाग की लापरवाही से किसान की मौत, दिव्यांग परिवार उजड़ा

करंट से किसान की मौत, चक्काजाम किया

चार महीने से झूलते तारों की शिकायत अनसुनी, सिंचाई के दौरान करंट से गई जान, 4 लाख मुआवजे और नौकरी के आश्वासन पर खुला जाम

नीमच/मनासा (निप्र)। जिले की मनासा तहसील के ग्राम मोकड़ी में बिजली विभाग की कथित लापरवाही एक किसान परिवार पर भारी पड़ गई। रविवार को सिंचाई करते समय टूटे और खतरनाक तरीके से झूलते बिजली तारों की चपेट में आने से किसान धन सिंह राजपूत की मौत हो गई। मृतक स्वयं दिव्यांग थे, जबकि उनकी पत्नी और बेटा भी दिव्यांग हैं, जिससे यह हादसा और भी मार्मिक हो गया।

किसान को बचाने पहुंचे दो अन्य ग्रामीण भी करंट की चपेट में आकर घायल हो गए। ग्रामीणों का आरोप है कि वे पिछले चार महीनों से क्षेत्र में फैले जर्जर और नीचे झूलते बिजली तारों की शिकायत बिजली विभाग से कर रहे थे, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसी लापरवाही का खामियाजा एक परिवार को अपने मुखिया की जान देकर भुगतना पड़ा।

घटना के बाद सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद आक्रोशित ग्रामीण शव को लेकर नीमच-झालावाड़ रोड पर पहुंच गए और घोटा पिपलिया स्थित बालाजी मंदिर

के सामने चक्का जाम कर दिया। करीब एक घंटे तक सड़क पर यातायात बाधित रहा। प्रदर्शनकारियों ने मृतक परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता, परिवार के एक सदस्य को नौकरी और जिम्मेदार बिजली कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। सूचना मिलते ही एसडीएम किरण आंजना पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचीं और ग्रामीणों से चर्चा की।

एसडीएम ने बिजली कंपनी और मुख्यमंत्री संबल योजना के तहत कुल चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने तथा परिवार के एक स्नातक सदस्य को बिजली विभाग में आउटसोर्स के माध्यम से नौकरी देने का आश्वासन दिया। साथ ही मोकड़ी सहित आसपास के गांवों में बिजली लाइनों की गहन जांच कराने की बात कही।

प्रशासनिक आश्वासनों के बाद ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुरेंद्र श्याम सोनी और जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि मनीष पोरवाल की मौजूदगी में दोपहर बाद चक्का जाम समाप्त कराया गया। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कुकड़ेश्वर, मनासा और रामपुरा थानों का पुलिस बल तैनात रहा।

छुहारा या खजूर, कौन है सेहत के लिए सबसे फायदेमंद? आयुर्वेदिक डॉक्टर ने खोल दिया राज!

सेहतमंद रहने के लिए अक्सर लोग अपनी डाइट में तरह-तरह के ड्राई फ्रूट्स शामिल करते हैं। हर ड्राई फ्रूट के अपने फायदे होते हैं और हर किसी की प्रकृति भी अलग होती है। इसलिए कोई भी ड्राई फ्रूट तभी पूरा फायदा करता है, जब इसे अपनी जरूरतों के अनुसार सही समय और मात्रा में खाया जाए। उदाहरण के लिए खजूर और छुहारा, दोनों ही बड़े पॉपुलर ड्राई फ्रूट हैं और अक्सर लोग इन्हें एक जैसा ही समझते हैं। जबकि आयुर्वेदिक एक्सपर्ट डॉ रॉबिन शर्मा बताते हैं कि छुहारा और खजूर, दोनों की प्रकृति काफी अलग है। अगर सही मौसम में और अपनी जरूरत के मुताबिक आप इनमें से सही ड्राई फ्रूट नहीं खा रहे हैं, तो फायदे की जगह नुकसान भी हो सकता है। आइए विस्तार में जानते हैं।

अलग-अलग होती है दोनों की प्रकृति

डॉ रॉबिन कहते हैं कि खजूर और छुहारा, दोनों की प्रकृति यानी नेचर एकदम अलग-अलग होता है। खजूर ठंडी तासीर का होता है और वात, पित्त प्रकृति वाली के लिए लाभदायक होता है। इसलिए इसे गर्मियों में खाना फायदेमंद रहता है। वहीं छुहारे की तासीर गर्म होती है और ये वात, कफ प्रकृति वाले लोगों के लिए फायदेमंद होता है। इसी वजह से इसे सर्दियों में खाना ज्यादा सही माना जाता है।

किन लोगों को खाना चाहिए खजूर?

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक खजूर थकावट और कमजोरी को दूर करने में काफी फायदेमंद होता है। इसके अलावा ये पेशाब की रुकावट को भी कम करता है। खजूर में एंटीऑक्सीडेंट्स भी भरपूर मात्रा में होते हैं, जो इम्यूनिटी बूस्ट करने में मदद करते हैं। इसके अलावा ये हार्ट हेल्थ, ब्लड प्रेशर और नर्व फंक्शन को बेहतर करने में भी काफी मदद करता है। हालांकि इसमें नेचुरल शुगर काफी ज्यादा होती है, इसलिए डायबिटीज वालों को कम मात्रा में इसका सेवन करना चाहिए।

छुहारा खाने से क्या फायदे मिलेंगे?

रॉबिन बताते हैं कि छुहारा शारीरिक कमजोरी को दूर करता है और पौरुषत्व में वृद्धि करता है। पुरुषों के लिए दूध के साथ छुहारा लेना बहुत फायदेमंद होता है। इसे खाने से पेशाब कम आता है। साथ ही इसमें आयरन भी भरपूर मात्रा में होता है और ये इंस्टेंट एनर्जी के लिए परफेक्ट है। ये पाचन और कब्ज में भी हल्की राहत देने का काम करता है।

सर्दियों में कुछ ही दिन मिलती है ये सब्जी, खाएं जरूर क्योंकि इसमें कई लाजवाब फायदे

सर्दियों की शुरुआत होते ही भरतपुर की सब्जी मंडियां रतालू की वजह से फिर से जीवंत हो उठी हैं। ठंड के मौसम में मिलने वाली यह मौसमी सब्जी स्वाद, पौष्टिकता और शरीर को गर्म रखने के गुणों के कारण लोगों की पहली पसंद बन गई है। साथ ही, इसकी खेती से किसानों को भी अच्छा मूल्य मिल रहा है।

रतालू: सर्दियों की खास सब्जी

रतालू सालभर नहीं मिलती और केवल ठंड के मौसम में खेतों से सीधे बाजार तक आती है। इसी वजह से इसका इंतजार हर घर में रहता है। ठंड के साथ ही इसकी सप्लाई बढ़ती है और लोग इसे बड़ी मात्रा में खरीदते हैं। यह शरीर को प्राकृतिक रूप से गर्म रखने और ऊर्जा देने का काम करती है।

स्वाद और पोषण में बेमिसाल

फाइबर: पाचन को दुरुस्त रखता है।

आयरन: कमजोरी और थकान को दूर करता है।

विटामिन बी6 और पोटैशियम: शरीर को फिट रखने में मदद करते हैं।

आयुर्वेद चिकित्सक डॉक्टर के अनुसार, रतालू बच्चों, बुजुर्गों और कमजोर लोगों के लिए बेहद फायदेमंद है।

कहां होती है खेती और क्यों पसंद की जाती है?

भरतपुर और आस-पास के इलाकों जैसे रूपवास, कुम्हेर और बयाना में रतालू की खेती होती है। खेतों से सीधे मंडी पहुंचने के कारण यह ताजी और उच्च गुणवत्ता वाली सब्ज़ी मानी जाती है। किसानों के अनुसार इसकी बढ़ी हुई मांग उन्हें अच्छा मूल्य देती है।

कैसे खाएं रतालू: रतालू का हल्का मीठा और मुलायम स्वाद इसे हर उम्र के लोगों के लिए पसंदीदा बनाता है। इसे आप उबालकर, भूनकर, या मसालेदार सब्ज़ी के रूप में पका सकते हैं।

आगामी दिनों में बढ़ती मांग: सर्दियों में रतालू की मांग और बढ़ने की संभावना है। इसकी उपलब्धता न सिर्फ ठंड का स्वागत कराती है, बल्कि लोगों की स्वाद और सेहत दोनों में रंग भरती है।

किन लोगो को रतालू नहीं खाना चाहिए या सावधानी से खाएं

पाचन समस्या वाले लोग: अगर किसी को अत्यधिक गैस, अपच या एसिडिटी की समस्या है, तो रतालू का सेवन सीमित मात्रा में करें। क्योंकि इसमें फाइबर और स्टार्च की मात्रा अधिक होती है।

डायबिटीज मरीज: रतालू में कार्बोहाइड्रेट अधिक होता है। डायबिटीज के मरीज इसे सीमित मात्रा में ही खाएं और अपने ब्लड शुगर स्तर की निगरानी करें।

किडनी की समस्या वाले लोग: रतालू में पोटैशियम होता है। अगर किडनी की समस्या है और पोटैशियम की मात्रा सीमित करने की सलाह दी गई है, तो रतालू से बचें।

ज्यादा मोटापा या वजन बढ़ाने की समस्या वाले लोग: क्योंकि इसमें स्टार्च और कैलोरी होती है, अत: वजन नियंत्रित करने वाले लोग इसे संतुलित मात्रा में ही खाएं।

अत्यधिक ठंड लगने वाले लोग: आयुर्वेद के अनुसार, रतालू ठंडी प्रकृति की होती है। जिनको ठंड से ज्यादा परेशानी होती है, उन्हें इसे थोड़ी मात्रा में और गर्म मसालों के साथ खाना चाहिए।

जिम वालों के लिए कौन सा प्रोटीन सबसे बेस्ट! चिकन, अंडा या पनीर

जिम में घंटों पसीना बहाने के बावजूद अक्सर लोग शिकायत करते हैं कि मसल्स ठीक से बन नहीं रहे। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि मसल्स ग्रोथ में वर्कआउट से ज्यादा अहम रोल डाइट का होता है, खासकर प्रोटीन का। प्रोटीन ही शरीर की मसल्स को रिपेयर करता है, उन्हें मजबूत बनाता है और तेजी से ग्रोथ देता है। लेकिन सवाल यह है कि इतनी सारी प्रोटीन वाली चीज़ों में से असल में बेस्ट क्या है अंडा, चिकन या पनीर? आइए समझते हैं किस फूड में कैसी प्रोटीन मिलती है और जिम लवर्स के लिए कौन सबसे बेहतर साबित होता है।

अंडा: कंप्लीट प्रोटीन का पावरहाउसअंडे को प्रोटीन का सबसे बेहतरीन और आसान स्रोत माना जाता है, क्योंकि इसमें सभी 9 जरूरी अमीनो एसिड मौजूद होते हैं, जो सीधे मसल्स की ग्रोथ और रिकवरी में मदद करते हैं। शरीर अंडे के प्रोटीन को बेहद तेजी से अवशोषित कर लेता है, जिससे वर्कआउट के बाद मांसपेशियों की हीलिंग जल्दी होती है। इसकी जर्दी में मौजूद हेल्दी फैट्स और विटामिन क्च्12 एनर्जी लेवल बढ़ाते हैं और शरीर को पूरे दिन एक्टिव रखते हैं। चाहे आप उबला अंडा खाएं, ऑमलेट बनाएं या स्क्रैम्बल हर रूप में अंडा मसल्स बनाने के लिए सुपर फायदेमंद है।

चिकन और लीन मीट

नॉन-वेज डाइट लेने वालों के लिए चिकन और लीन मीट मसल्स बिल्डिंग के सबसे मजबूत और भरोसेमंद प्रोटीन स्रोत माने जाते हैं। 100 ग्राम चिकन में लगभग 25-30 ग्राम हाई-क्वालिटी प्रोटीन मिलता है, जिसे शरीर बेहद आसानी से अवशोषित कर लेता है। इसमें मौजूद मिनरल्स और आवश्यक अमीनो एसिड मसल्स को तेजी से रिपेयर करते हैं और ग्रोथ को बूस्ट करते हैं। इसके साथ ही मछली और मटन जैसे अन्य मीट भी बेहतरीन विकल्प हैं। इनमें न सिर्फ क्वालिटी प्रोटीन मिलता है, बल्कि आयरन और ओमेगा-3 फैटी एसिड जैसे पोषक तत्व भी होते हैं, जो रिकवरी को तेज करते हैं और शरीर को ज्यादा स्ट्रॉन्ग बनाते हैं।

पनीर

वेजिटेरियन लोगों के लिए पनीर किसी सुपरफूड से कम नहीं। इसमें मौजूद केसिन प्रोटीन धीरे-धीरे पचता है, जिससे शरीर को लंबे समय तक लगातार प्रोटीन मिलता रहता है। खासतौर पर रात के भोजन में पनीर शामिल करना बेहद फायदेमंद माना जाता है, क्योंकि यह मसल ब्रेकडाउन को रोकने में मदद करता है। सब्जी, सलाद से लेकर पनीर टिक्का तक हर फॉर्म में यह शरीर को पोषण देता है। साथ ही, यह पेट भरने के साथ हेल्दी वेट गेन में भी सहयोगी साबित होता है।

क्या सप्लीमेंट्स की जरूरत पड़ती है?

सप्लीमेंट्स तभी लेने चाहिए जब आपकी नियमित डाइट आपकी प्रोटीन या न्यूट्रिशन की जरूरत पूरी न कर पाए। ऐसे में व्हे प्रोटीन या प्लांट-बेस्ड प्रोटीन अच्छे विकल्प हो सकते हैं। हालांकि, सप्लीमेंट चुनते समय यह जरूर देखें कि उसमें कम केमिकल्स हों और अमीनो एसिड प्रोफाइल उच्च गुणवत्ता वाला हो, ताकि शरीर को अधिकतम लाभ मिल सके।

जामें प्रोटीन का असर कैसे बढ़ाएं

दिन भर थोड़ा-थोड़ा प्रोटीन खाएं। एक बार में बहुत ज्यादा प्रोटीन लेने से शरीर उसे पूरी तरह उपयोग नहीं कर पाता, और इसका फायदा भी कम हो जाता है। इसलिए बेहतर यही है कि दिन भर में छोटे-छोटे हिस्सों में प्रोटीन शामिल करें। इससे मसल्स को लगातार अमीनो एसिड मिलता रहता है और रिकवरी भी तेज होती है।

सही कॉम्बिनेशन बनाएं

सही फूड कॉम्बिनेशन मसल्स को पूरा अमीनो एसिड प्रोफाइल देने में मदद करता है। जैसे दाल+चावल, पनीर+सलाद या अंडा+ओट्स जैसे कॉम्बो शरीर में प्रोटीन की क्वालिटी को बेहतर बनाते हैं। ये संयोजन न सिर्फ डाइजेशन आसान करते हैं बल्कि मसल रिकवरी और स्ट्रेंथ बढ़ाने में भी कारगर साबित होते हैं।

वर्कआउट के 30-60 मिनट के अंदर प्रोटीन लें

वर्कआउट के बाद शरीर की मसल्स सबसे ज्यादा थकी हुई होती हैं और उसी समय उन्हें प्रोटीन की सबसे ज्यादा जरूरत पड़ती है। इसलिए एक्सरसाइज खत्म होने के 30-60 मिनट के भीतर प्रोटीन लेना बेहद फायदेमंद माना जाता है। इस टाइम विंडो में लिया गया प्रोटीन तेजी से अवशोषित होता है, जिससे मसल रिकवरी दोगुनी तेजी से होती है, ह्यश्व्ह्वद्दड्ढह्यह्य कम होती है और मसल ग्रोथ भी बेहतर तरीके से शुरू हो जाती है। यही वजह है कि फिटनेस एक्सपर्ट इसे गोल्डन विंडो कहते हैं।

पानी ज्यादा पिएं

जब आप हाई-प्रोटीन डाइट लेते हैं, तो शरीर को प्रोटीन को पचाने और अवशोषित करने में अधिक पानी की जरूरत होती है। पर्याप्त पानी न मिलने पर पाचन धीमा हो सकता है, कब्ज या ब्लोटिंग जैसी दिक्कतें भी बढ़ सकती हैं। इसलिए हाई-प्रोटीन भोजन के साथ पूरे दिन नियमित रूप से पानी पीना बेहद जरूरी है। अच्छी हाइड्रेशन न सिर्फ पाचन को आसान बनाती है, बल्कि मसल रिकवरी, एनर्जी लेवल और किडनी फंक्शन को भी सपोर्ट करती है। दिनभर में थोड़ा-थोड़ा पानी पीने से शरीर में प्रोटीन का अवशोषण बेहतर होता है और डाइट का फायदा भी ज्यादा मिलता है।

तो जानें आखिर बेस्ट क्या है

नॉन-वेज खाने वालों के लिए: चिकन + अंडा सबसे तेज़ और असरदार मसल-बिल्डिंग प्रोटीन।

वेजिटेरियन के लिए: पनीर + दाल + दही/दूध मसल ग्रोथ का बेस्ट कॉम्बो।

जिन्हें फैट कम और प्रोटीन ज्यादा चाहिए: अंडा और चिकन सबसे उपयुक्त।

हर फूड में प्रोटीन है, लेकिन आपका लक्ष्य, आपकी बॉडी और आपकी डाइट तय करती है कि कौन सा प्रोटीन आपके लिए सबसे बेहतर है। सही प्रोटीन चुनेंगे, तभी सही मसल्स बनेंगे।

पानी गर्म रखने वाली बोतल से आ रही गंदी बदबू तो दूर करने का ये तरीका जान लें

सर्दियों का मौसम शुरू हो चुका है। ऐसे में पानी, चाय या किसी लिक्विड चीज को रखने के लिए थर्मोफ्लास्क वाली बोतल का इस्तेमाल ज्यादातर लोग करते है। जिससे की खाने-पीने का सामान देर तक गर्म बना रहे। लेकिन बोतल लगातार कई महीनों से बंद पड़ी होने की वजह से उसमे से बदबू कर रही है। और कई बार साफ करने के बाद भी ये बदबू पूरी तरह नहीं जा रही। तो इन ट्रिक्स को ट्राई करें। जिनकी मदद से बोतल से आ रही सारी बदबू साफ हो जाएगी और दोबारा से यूज करने लायक बन जाएगी।

चावल और नमक से करें सफाई

पानी गर्म रखने वाली बोतल यानी थर्मोफ्लास्क की बोतल से बदबू आ रही है और वो साबुन से धुलाई के बाद भी नहीं जा रही। तो बस ये आसान सी ट्रिक ट्राई कर लो। जिसकी मदद से ये बदबू एक बार में ही गायब हो जाएगी। बस इसके लिए बोतल में करीब एक चम्मच चावल के दाने डाल दें। साथ ही

एक चम्मच सेंधा नमक भी डाल दें। अब इसमे एक कप के करीब पानी डालें। और, जोर से हिलाएं। इसे करीब पांच मिनट हिलाकर आधे घंटे के लिए छोड़ दें। फिर पानी से अच्छी तरह से साफ कर दें। ऐसा करने से बोतल की तली में लगी सफेदी और गंदगी भी अच्छी तरह से साफ हो जाएगी।

नींबू और नमक

अगर बोतल की गंदी बदबू जा ही नहीं रही है तो ये नुस्खा आजमाएं। बोतल में गर्म पानी करीब आधा कप डाल दें। साथ ही उसमे नींबू का रस निचोड़ दें और साथ ही एक चम्मच सेंधा नमक डाल दें। सारी चीजों को शेक करें और अच्छी तरह से हिलाएं। फिर करीब आधे घंटे के लिए बोतल में नींबू का पानी और नमक छोड़ दें। फिर आधे घंटे बाद सफाई करेंगे तो बोतल की सारी गंदगी साफ हो जाएगी और साथ ही बदबू भी खत्म हो जाएगी। नींबू की वजह से फ्रेशनेस आने लगेगी।

चाय की पत्ती से बदबू होगी दूर

थर्मोफ्लास्क की बोतल में बदबू आने का कारण अक्सर चाय ही होती है। दूध वाली चाय को जब बोतल में रखा जाता है तो उसकी बदबू भर जाती है। लेकिन चाय की मदद से ही इसकी बदबू को दूर किया जा सकता है। बस गर्म पानी से बोतल भर दें। फिर इसमे थोड़ी सी चाय की पत्ती या फिर टी बैग डाल दें। करीब दो से तीन घंटे के बोतल से सारी बदबू दूर हो जाएगी। बस चाय हटाकर बोतल को अच्छी तरह से धो दें। सारी बदबू दूर हो जाएगी।

चित्तौड़गढ़ कलक्ट्रेट को बम से उड़ाने की धमकी, चलाया सर्च ऑपरेशन, प्रकरण दर्ज

चित्तौड़गढ़ (निप्र)। चित्तौड़गढ़ कलक्ट्रेट को बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद सोमवार को हड़कंप मच गया। पुलिस ने कलक्ट्रेट कार्यालय को घेरते हुए सर्च अभियान चलाया। यहां टीमों ने उपकरणों की सहायता से तलाशी अभियान चलाया। इसमें कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ओर से कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस रिपोर्ट के आधार पर जांच में जुट गई है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चित्तौड़गढ़ सरितासिंह ने बताया कि सोमवार को जिला कलक्टर की आईडी पर एक ईमेल प्राप्त हुआ था। इस ईमेल में चित्तौड़गढ़ कलक्ट्रेट को बम से उड़ाने की धमकी थी। इस पर जिला प्रशासन ने पुलिस अधिकारियों को सूचना दी। इस सूचना के बाद पुलिस सक्रिय हो गई। एसपी ऑफिस से जिला विशेष शाखा तथा उदयपुर मुख्यालय से आई बीडीएस एवं डॉग स्क्वायड टीम ने जांच की। यहां सभी कक्ष की जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। इससे सभी ने राहत की सांस ली है। धमकी भरे ईमेल को लेकर कोतवाली थाने में एक प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस ईमेल के आधार पर जांच में जुटी हुई है। गौरतलब है कि प्रदेश में पहले भी अन्य जिलों के कलक्ट्रेट कार्यालय को उड़ाने के धमकी भरे ईमेल प्राप्त हुवे थे। वहीं अब चित्तौड़गढ़ कलक्ट्रेट को बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ है। धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद पुलिस भी पूरी तरह से अलर्ट मोड पर आ गई। उच्च अधिकारियों के निर्देश पर कलक्ट्रेट में उपकरणों से जांच की गई। कार्यालय भी चलते रहे। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चित्तौड़गढ़ सरिता सिंह, पुलिस उप अधीक्षक बृजेश सिंह कोतवाल तुलसीराम सहित पुलिस थाने का जाब्ता मौके पर पहुंचा। जांच टीमों ने एक-एक कक्ष में जाकर उपकरणों की सहायता से जांच की, जिसमें कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। वहीं इस जांच अभियान के शुरू होते ही कलेक्ट्रेट में सरकारी कर्मचारियों के बीच चर्चाओं का दौर भी शुरू हो गया। तलाशी अभियान के दौरान सभी को लगा कि मॉक ड्रिल चल रही है। लेकिन बाद में इस संबंध में कोतवाली थाने में प्रकरण दर्ज किया।

महिलाओं को धमकी और अपमान भाजपा की नीति विजय शाह का बयान शर्मनाक- तरुण बाहेती

लाड़ली बहनों से 'धन्यवाद' मांगना और जांच की धमकी देना सत्ता के दुरुपयोग की पराकाष्ठा

नीमच (निप्र)। रतलाम में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान मंत्री विजय शाह द्वारा मंच से दिया गया बयान न केवल आपत्तिजनक है, बल्कि यह भाजपा सरकार की महिलाओं के प्रति वास्तविक सोच को भी उजागर करता है। "सरकार 1500 रुपए के हिसाब से करोड़ों रुपए दे रही है, तो दो साल में एक बार धन्यवाद तो बनता है जो नहीं आएंगी, फिर देखते हैं, यह भाषा सीधे तौर पर महिलाओं को डराने और दबाव बनाने जैसी है।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि लाड़ली बहना योजना भाजपा या किसी मंत्री की निजी कृपा नहीं, बल्कि जनता के टैक्स से चलाई जा रही सरकारी योजना है। महिलाओं को उनका वैधानिक हक देने के बदले मंच से "धन्यवाद" मांगना भाजपा की अहंकारी और महिला-विरोधी मानसिकता को दर्शाता है।

बाहेती ने कहा कि इससे भी अधिक गंभीर मंत्री का यह बयान है कि जिनके ढाई-ढाई सौ बढ़ रहे हैं, उनकी जांच करेंगे। किसी का आधार लिंक नहीं है तो जांच थोड़ी पेंडिंग कर देंगे, मतलब वो पेंडिंग हो ही जाएंगी। यह स्पष्ट करता है कि भाजपा सरकार योजनाओं को राजनीतिक हथियार बनाकर बहनों को डराने का काम कर रही है। जांच और आधार के नाम पर लाभ रोकने की धमकी देना लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों के खिलाफ है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष तरुण बाहेती ने कहा कि यह पहला मौका नहीं है जब मंत्री विजय शाह महिलाओं को लेकर विवादों में आए हों। इससे पहले भी वे कई बार सार्वजनिक मंचों से महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाले बयान दे चुके हैं। महिलाओं को लेकर अमर्यादित भाषा, योजनाओं को एहसान की तरह पेश करना और बार-बार विवादित टिप्पणियां करना विजय शाह का पूरा रिकॉर्ड भाजपा की सोच को उजागर करता है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि भाजपा नेतृत्व ने हर बार ऐसे बयानों पर मौन साधकर मंत्री को संरक्षण दिया। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या अब सरकारी योजनाओं का लाभ पाने के लिए महिलाओं को राजनीतिक कार्यक्रमों में उपस्थिति दर्ज कराना जरूरी होगा? क्या "लाड़ली बहनों" का सम्मान केवल मंच और भाषणों तक सीमित है?

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने मंत्री विजय शाह से तत्काल सार्वजनिक माफी की मांग करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री को इस मामले में केवल औपचारिक बयान नहीं, बल्कि ठोस और सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। ऐसे गैर-जिम्मेदाराना और महिला-विरोधी बयान देने वाले मंत्री को पद से हटाया जाना चाहिए, ताकि प्रदेश की महिलाओं में यह विश्वास बने कि उनका अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अंत में उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी महिलाओं के सम्मान, अधिकार और स्वाभिमान की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगी। यदि भाजपा सरकार और उसके मंत्री इसी तरह महिलाओं को डराने और अपमानित करने की राजनीति करते रहे, तो कांग्रेस इस मुद्दे को सड़क से लेकर सदन तक पूरी मजबूती से उठाएगी।

दूसरी शादी पर 9.50 लाख जुर्माना- बहिष्कार : महिला ने जहर खाया

नीमच । नई बावल गांव निवासी एक महिला ने शनिवार को खाप पंचायत के फैसले से परेशान होकर जहर खा लिया। महिला को गंभीर हालत में नीमच जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। महिला के दूसरे पति प्रवीण रेगर का आरोप है कि समाज की झगड़ा प्रथा के चलते 6 दिसंबर को भादवा माता स्थित समाज की सराय में पंचायत बुलाई गई थी।

इस पंचायत में उन्हें 9 लाख 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया और 14 साल के लिए समाज से बाहर करने का फैसला सुनाया गया।

पंचायत करीब दो घंटे तक चली। इसके बाद समाज के लोग उन्हें ताना भी मारने लगे थे। इससे परेशान होकर उसकी पत्नी ने सुसाइड करने की कोशिश की।

जानकारी के अनुसार, लक्ष्मी रेगर की यह दूसरी शादी है। उसके वर्तमान पति प्रवीण रेगर की पहली पत्नी भी पहले समाज के एक युवक के साथ चली गई थी। उस समय भी खाप पंचायत हुई थी और प्रवीण रेगर को करीब तीन लाख रुपए मिले थे।

पिकअप ने मारी टक्कर, बाइक सवार युवक की मौत

नीमच । शहर के बघाना थाना क्षेत्र में राज पैलेस-लेवडा मार्ग पर सोमवार देर शाम पिकअप वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौत हो गई।

मृतक की पहचान अमावली महल निवासी 30 वर्षीय सुरेंद्र सिंह राजपूत पुत्र लक्ष्मण सिंह के रूप में हुई है। सुरेंद्र सिंह नीमच से अपने गांव लौट रहे थे। राज पैलेस-लेवडा मार्ग पर कालका माता मंदिर के पास पिकअप ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

गंभीर रूप से घायल सुरेंद्र सिंह को तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए पीएम रूम में रखवाया गया है। मंगलवार सुबह पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। हम्माली का काम करके घर जा रहा था परिजन ने बताया कि सुरेंद्र सिंह रोजाना की तरह हम्माली का काम कर अपने घर लौट रहे थे। पिकअप मजदूर की ओर से नीमच की ओर सेटिंग का सामान लेकर आ रही थी। मृतक सुरेंद्र सिंह के तीन बेटियां हैं, जिनकी उम्र 8 वर्ष, 5 वर्ष और ढाई वर्ष है। पुलिस ने पिकअप वाहन को देर रात जब्त कर लिया है और मामले की आगे की जांच कर रही है।

बस स्टैंड पर नागदा बस के नीचे आने से एक व्यक्ति की मौत

नीमच (निप्र)। शहर के प्राइवेट बस स्टैंड पर सोमवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। बताया जा रहा है कि बस के नीचे दबने से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान सीताराम, निवासी लेवड़ा गांव, गौशाला के पास के रूप में हुई है। हादसे के समय बस स्टैंड परिसर में अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोग घटना देखकर स्तब्ध रह गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस घटना के कारणों की जांच कर रही है और यह पता लगाने में जुटी है कि यह हादसा किन परिस्थितियों में हुआ।

मुख्यमंत्री मोहन के नेतृत्व में समग्र औद्योगिक विकास की ओर बढ़ता मध्यप्रदेश

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में औद्योगिक परियोजनाओं को केवल निवेश के रूप में नहीं, बल्कि समाज के समग्र विकास से जोड़कर आगे बढ़ाया जा रहा है। इसी सोच के साथ धार जिले के ग्राम भैंसोला में विकसित हो रहा देश का पहला पी.एम. मित्र पार्क में विस्थापित परिवारों के पुनर्वास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। पी.एम. मित्र पार्क की भूमि पर निवासरत कुल 89 परिवारों के पुनर्वास के लिए एम.पी.आई.डी.सी. द्वारा समीप ही सुव्यवस्थित आवासीय कॉलोनी विकसित की जा रही है। इस पुनर्वास योजना के प्रथम चरण में 24 परिवारों को पक्के मकान बनाकर सौंपे गए और विधि-विधान के साथ उनका गृह प्रवेश कराया गया। शेष परिवारों को भी चरणबद्ध रूप से आवास उपलब्ध कराए जाएंगे। प्रदेश सरकार की नीति के अनुसार औद्योगिक विकास करते हुए हर परिवार का ख्याल रखा जायेगा। इसी नीति के तहत पी.एम. मित्र पार्क के लिए प्रभावित परिवारों को केवल आवास ही नहीं बल्कि बेहतर जीवन उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया गया है।

89 पक्के मकान, 140 भूखण्ड और पूर्ण आधारभूत सुविधाएँ – पी.एम. मित्र पार्क के लिए विकसित की जा रही पुनर्वास कॉलोनी में कुल 89 टू बी.एच.के. पक्के मकान तथा 140 विकसित भूखण्ड शामिल हैं। कॉलोनी में बिजली, नल से जल, सड़क, नाली और एस.टी.पी. जैसी सभी आवश्यक सुविधाओं के साथ आंगनवाड़ी केंद्र, प्राथमिक विद्यालय, पार्क और सामुदायिक भवन विकसित किए गए हैं। सुरक्षा की दृष्टि से पूरे परिसर को बाउंड्रीवॉल से कवर किया गया है। यह संपूर्ण पुनर्वास परियोजना लगभग 13.48 करोड़ रु. की लागत से विकसित की जा रही है। प्रत्येक मकान की लागत लगभग 6 लाख रु. है। परियोजना को अप्रैल 2026 तक पूरा कर शेष सभी हितग्राहियों को चरणबद्ध रूप से मकान सौंपे जाएंगे।

नारकोटिक्स टीम पर हमला : दो आरोपी गिरफ्तार, जेल भेजे गए

जावद (निप्र)। जावद क्षेत्र में नारकोटिक्स विभाग के कर्मचारियों पर हमला करने के मामले में पुलिस ने सोमवार शाम को दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपियों में ईश्वर व सन्नी शामिल है। जिसमें से ईश्वर कुछ दिन पूर्व ही जेल से रिहा हुआ था। पुलिस ने दूसरे आरोपी सनी सिंह को भी गिरफ्तार किया है, जबकि एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है।

घटना रविवार रात की है, जब केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के कर्मचारी जावद से मोरवन स्थित निर्माणाधीन फैक्ट्री की ओर ओमनी वाहन से जा रहे थे। इसी दौरान स्कॉर्पियो वाहन में सवार तीन युवकों ने जानबूझकर उनका रास्ता रोका और नारकोटिक्स टीम को घेरकर मारपीट की। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही जावद पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। नारकोटिक्स विभाग के कर्मचारी कोस्तब घोष की शिकायत पर तीनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 294, 296, 115 (2), 351 (3), 132 (2) एवं 126 (2) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। जावद एसडीओपी रोहित राठौर ने बताया कि शासकीय ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों के साथ मारपीट की घटना को पुलिस ने गंभीरता से लिया है और शेष आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

मप्र बोर्ड ने बदला 10वीं-12वीं परीक्षा का पैटर्न, CBSE की तर्ज पर होगा एग्जाम, घटाई दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों की संख्या

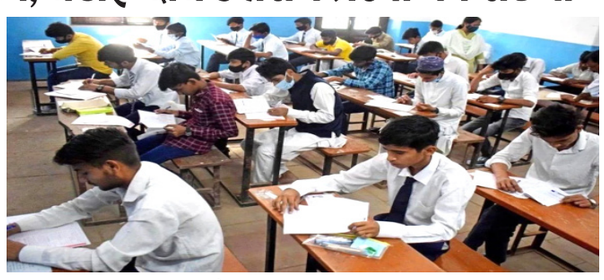

भोपाल । माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) ने 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा के प्रश्नपत्रों का पैटर्न बदल दिया है। प्रश्नपत्रों में पूरी तरह से केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद (सीबीएसई) का परीक्षा पैटर्न लागू कर दिया गया है। इसके तहत प्रत्येक प्रश्नपत्र में 30 अंकों के वस्तुनिष्ठ प्रश्न ही पूछे जाएंगे। वहीं लघु और दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के लिए विकल्प मिलेगा। माशिमं ने सभी विषयों के नमूना प्रश्नपत्र जारी कर दिए हैं। इसमें दिख रहा है कि अति लघुउत्तरीय प्रश्नों की संख्या अधिक कर दी गई है। वहीं दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों की संख्या घटाई गई है। पिछली परीक्षा तक चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछे जाते रहे हैं। इस बार लघुउत्तरीय व दीर्घउत्तरीय प्रश्नों की संख्या तीन-तीन कर दी गई है। माशिमं की मुख्य परीक्षा सात फरवरी से शुरू हो रही है। इस बार करीब 18 लाख विद्यार्थी शामिल होंगे। इससे पहले जनवरी में प्री बोर्ड परीक्षाएं भी होनी हैं।

मेधावी विद्यार्थियों की उत्तरपुस्तिकाएं भी अपलोड – मंडल ने पिछले साल के 10वीं व 12वीं के मेधावी विद्यार्थियों के सभी विषयों की उत्तरपुस्तिकाओं को वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है, जिससे स्कूल में विद्यार्थियों को उत्तरपुस्तिकाओं का प्रिंटआउट निकालकर प्रश्नों को हल करने के बारे में बताया जा रहा है।

जिले में लोक अदालत की 18 खंडपीठों के माध्यम से 375 न्यायालय में लंबित एवं 1075 प्रीलिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण हुआ

नीमच (निप्र)। जिला न्यायालय परिसर में स्थित ए.डी.आर. सेंटर में मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार शनिवार को लोक अदालत का उद्घाटन प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह राजपुत द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया,। इस मौके पर विशेष न्यायाधीश आलोक कुमार सक्सेना, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय डॉ. कुलदीप जैन, जिला न्यायाधीश राकेश कुमार शर्मा, श्रीमती रश्मि मिश्रा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रवि कुमार बौरासी, न्यायिक मजिस्ट्रेट डॉ. श्रीमती रेखा मरकाम, सुश्री अंकिता गुप्ता, विशाल खाड़े, अंकित जैन, अभय प्रताप सिंह, जिला विधिक सहायता अधिकारी प्रवीण कुमार, खण्डपीठ सदस्यगण, पैरालीगल वॉलेंटियर्स, न्यायिक कर्मचारीगण, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारीगण आदि उपस्थित थे।उक्त कार्यक्रम उपरांत जिले में गठित खंडपीठों में लोक अदालत की कार्यवाही, खंडपीठों के पीठासीन अधिकारीगणों द्वारा प्रारंभ की गई।

नेशनल लोक अदालत में कुल 18 खण्डपीठों में न्यायालय में लंबित 401 प्रकरणों को रैफर्ड किया गया था, जिनमें से 375 प्रकरण लोक अदालत के माध्यम से निराकृत होकर 1000 व्यक्ति लाभान्वित हुए हैं। उक्त लंबित प्रकरणों में से मोटरयान दुर्घटना के 12 प्रकरण निराकृत हुये, जिनमें रूपये 77,77,000/- का अवार्ड पारित हुआ। न्यायालय में लंबित प्रकरणों में चैक अनादरण के 100 प्रकरण निराकृत हुए, जिनमें कुल राशि रूपये 1,88,53,067/- का अवार्ड पारित हुआ। इसके अतिरिक्त शमनीय आपराधिक 124 प्रकरण निराकृत हुए, जिसमें 9,62,621/- रूपये का अवार्ड पारित हुआ। 25 अन्य सिविल प्रकरण, विद्युत अधिनियम के 30 तथा 50 पारिवारिक विवादों से संबंधित मामले, सहित कुल 375 न्यायालय में लंबित प्रकरण निराकृत हुये।

आज ही बुक करें अपना Zelo इलेक्ट्रिक स्कूटर, घर ले जाए
मात्र रु 45990/- रु 41,990/-
में वो भी 1 साल की बैटरी वारंटी के साथ
मात्र रू.41,990/- से इलेक्ट्रिक स्कूटर की रेंज से शुरु ...

RTO मॉडल मात्र
रु 81000/- रु 76000/-*
(माइलेज 80-100 कि.मी.)
3 साल बैटरी की वारंटी के साथ

Zelo Electric Scooter

बंगला नं. 23, IDBI बैंक के सामने,
Lic रोड़, नीमच (म.प्र.)
मो. 9407423999, 8770664866

हृदय रोगों के लिए अंचल का एकमात्र स्थान
आपका दिल अनुभवी हाथों में है।
नीमच के एकमात्र अनुभवी एंव वरिष्ठ
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. (मेजर)अजीत प्रताप सिंह
MBBS, MD Medicine DM Cardiologist (Gold Medalist)
EX-Indian Army Officer (Dr.)
की नियमित की सेवाएं

संबंधित बीमारी हेतु मिलें
- हार्ट अटैक, सीने में तेज दर्द होना
- छाती में भारीपन महसूस होना
- हाई ब्लड प्रेशर
- जन्मजात हृदय रोग
- बच्चों में हृदय संबंधी समस्याएं
- ज्यादा पसीना आना
- चलने/लेटने पर सांस का भरना
- नाड़ी का तेज या धीमा चलना
- सीने के बीच या साइड मे जलन होना
- शुगर व गुर्दा रोग के कारण हार्ट पर दूष्प्रभाव होना
- हृदय या शरीर की किसी भी नली में रुकावट

हृदय रोग
संबंधित सम्पूर्ण जाँचें कैथ लैब द्वारा
- एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी
- इकोकार्डियोग्राफी एवं TMT/Holter ABPM
- CRT/ ICD/ पेसमेकर की सुविधा उपलब्ध
- कार्डियक एवं वेस्कुलर संबंधी जाँच
- बच्चों में हृदय संबंधित समस्याएँ
- हृदय रोग का अत्याधुनिक इलाज

प्रतिदिन परामर्श : समय - प्रातः 10 बजे से सायं 06 बजे तक
किसी भी हृदय रोग सम्बंधित इमरजेंसी में सम्पर्क करे
ज्ञानोदय मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
ग्राम: कनावटी, ज्ञानोदय महाविद्यालय के पीछे, नीमच (म.प्र.)
सम्पर्क : 07423-354354, 6262778282

12th के बाद सफर जोश का मंजिल कामयाबी की
MPPSC, SSC, BANK
रेलवे, पुलिस की तैयारी कीजिए
और डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, वाणिज्यिक कर अधिकारी,
SP, DSP, CID इंस्पेक्टर,CBN इंस्पेक्टर, असिस्टेंट कमाण्डेंट,
इन्कम टेक्स इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर,
बैंक क्लर्क, PO, मैनेजर आदि बनिये
सोनी कोचिंग क्लासेस TM
ISO 9001 : 2008 Certified
22 वर्षों का अनुभव।
1200 से अधिक छात्रों को नौकरी दिला चुके हैं।
धनीराम सगर मार्केट, गायत्री मंदिर के पास,
भागेश्वर मंदिर रोड,नीमच मो. 9300905061

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला नं. 23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुदित एवं प्रकाशित। सम्पर्क: 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।